वणिज्य उत्सव बिहार-22 का आयोजन

पटना (आससे)। पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री बिहार कार्यालय ने चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना के सहयोग से आज दोपहर 03:00 बजे से शाम 06:00 बजे तक संस्थान, पटना के सभागार में वणिज्य उत्सव बिहार 2022 का आयोजन किया। इस दौरान चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना ने पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के साथ समझौता पत्र साइन किया। वणिज्य उत्सव बिहार कार्यक्रम नवोदित उद्यमियों और उभरते निर्यातकों पर केंद्रित था और इसका विषय वस्तु व्यवसाय कैसे शुरू करें, व्यवसाय शुरू करने के लिए आवश्यक दस्तावेज, नए व्यवसाय के लिए उपलब्ध वित्त और प्रोत्साहन, निर्यात व्यवसाय कैसे शुरू करें, निर्यात और वित्त के लिए उपलब्ध बाजार और निर्यात बाजार पर कब्जा करने के लिए उपलब्ध प्रोत्साहन। पीएचडीसीसीआई के सचिव पुनीत चौधरी ने प्रतिनिधियों, वक्ताओं और वीआईपी को स्वागत भाषण दिया। सत्यजीत सिंह, अध्यक्ष, बिहार चैप्टर, पीएचडीसीसीआई ने सभा को विषय प्रवेश किया। प्रो. (डॉ.) राणा सिंह, निदेशक चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) ने बहुत ही प्रेरक भाषण दिया और प्रतिनिधियों को पूरी तरह से डेटा पर भरोसा करने के बजाय अपना खुद का शोध करने के लिए कहा। शैलेंद्र जायसवाल पूर्व प्रधान कार्यकारी निदेशक, डीआरडीओ एवं मेंटर, सृजन संचार ने स्थानीय प्रसिद्ध उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करने और इन उत्पादों पर यूनिकॉर्न बनाने का प्रयास करने के लिए उपस्थित लोगों से कहा। प्रदीप कुमार, निदेशक एमएसएमई, बिहार, ने कई सरकार की उन नीतियों पर प्रकाश डाला जिनसे बिहार के उद्यमियों को मदद और प्रोत्साहन मिल रही है। प्रदीप झा, शाखा प्रभारी, सिडबी ने नवोदित उद्यमियों और उद्योगों के लिए सिडबी की विभिन्न योजनाओं और नीतियों पर प्रकाश डाला। प्रणब सिंह रेजिडेंट डायरेक्टर, पीएचडीसीसीआई, बिहार चैप्टर, ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया और कार्यक्रम का समापन किया।

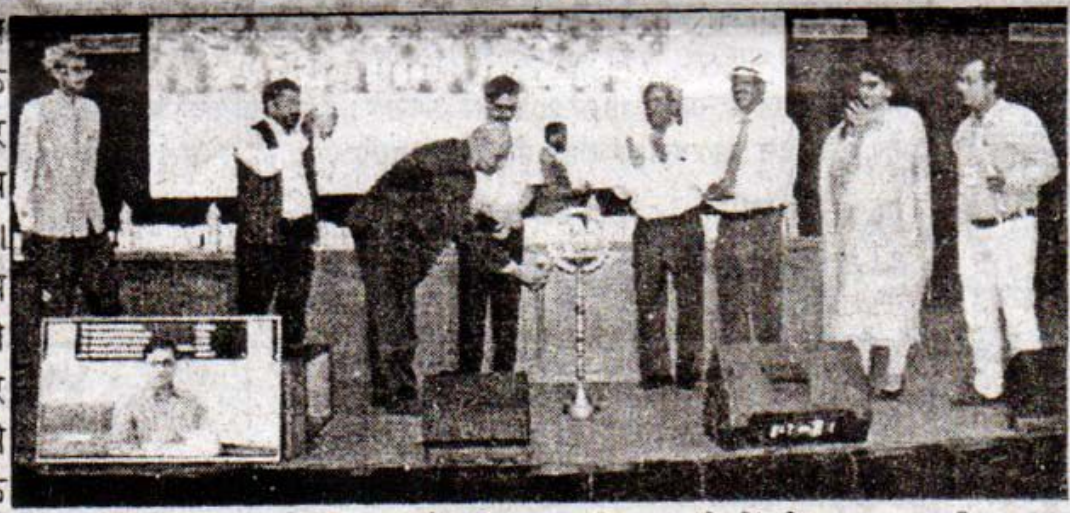

AAJ ! Page.No-08 ! Dated:12-07-2022

PHDCCI, CIMP organises Vanijya Utsav

OUR CORRESPONDENT

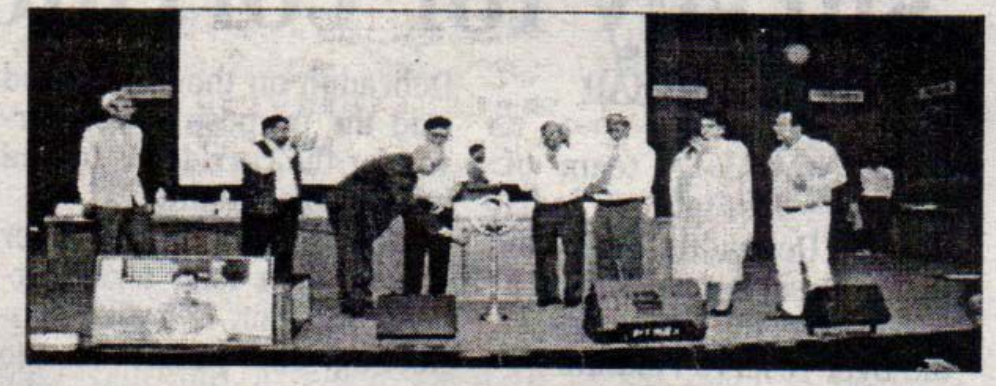

PATNA: PHD Chamber of Commerce & Industry (PHDCCI) Bihar office in association with Chandragupt Institute of management, Patna (CIMP) has organised Vanijya Utsav on 11th July 2022 from 03:00 PM to 06:00 PM at the Auditorium of CIMP Institute, Patna.

Along with the programme, one MoU was also signed between CIMP and PHDCCI.

VanijyaUtsav was focused on budding entrepreneurs and budding exporters from Bihar and topics were ranging from how to start business, Documentation required starting a business, Finance & incentives available for new business, How to start the export business, Available market for export and finance & incentive available to capture the export market.

Punit Chaudhary, Secretary, PHDCCI gave welcome address to delegates, speakers & VIPs

Satyajit Singh, Chairman, Bihar Chapter, PHDCCI gave theme address to the gathering.

Prof. (Dr.) Rana Singh, Director - Chandragupt Institute of Management Patna (CIMP), gave very inspiring speech and asked the delegates to do their own research instead of relying completely on data.

Shailendra Jaiswal - Rtd. Principal Executive Director, Defence Reaserch DRDO & Mentor, Srijon Sanchar told the gathering to focus on the local famous products and try to make a Unicorn on these products. Such as ChiniaKela, Makhana etc. He also expressed the desire for industry to work on 1 cluster 1 product in Bihar.

Pradeep Kumar, Director - MSME, Bihar shed lights on many Govt. policies and incentives to help Bihar entrepreneurs.

Pradeep Jha, Branch Incharge, SIDBI shed lights on various SIDBI plan and policies for funding and financing of budding entrepreneurs and industries.

Sukriti Mishra, INVEST INDIA, ODOP Team gave presentation on One District One product of Bihar and spoke about the importance of FSSI certification. Also she informed the gathering about their other activities for Industry such as Buyer seller meet etc.

SurajTaneja, TEXDEL, Spoke regarding the textile sector in India and Bihar and shared the inside of why he chooses Bihar to organize International Textile Event 'Texdel India' in Dec 2022.

Nitish Kumar, Lets Endorse address the gathering regarding their programs for budding entrepreneurs and their work in 5 states in 100 district to create 100 startup.

Morning India ! Page.NO-03 ! Dated:12-07-2022

सीआईएमपी और चैंबर ऑफ कॉमर्स के बीच समझौता

पटना (एसएनबी)। पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) बिहार कार्यालय ने चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट अफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) के सहयोग से सोमवार को संस्थान के सभागार में वणिज्य उत्सव- बिहार का आयोजन किया गया। इस दौरान चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना ने पीएचडी चैम्बर ऑफ कमर्स एंड इंडस्ट्री के साथ समझौता पत्र साइन हुआ। वणिज्य उत्सव- बिहार कार्यक्रम नवोदित उद्यमियों और उभरते निर्यातकों पर केंद्रित था और इसका विषय वस्तु व्यवसाय कैसे शुरू करें, व्यवसाय शुरू करने के लिए आवश्यक दस्तावेज, नए व्यवसाय के लिए उपलब्ध वित्त और प्रोत्साहन, निर्यात व्यवसाय कैसे शुरू करें, निर्यात और वित्त के लिए उपलब्ध बाजार और निर्यात बाजार पर कब्जा करने के लिए उपलब्ध प्रोत्साहन।

पीएचडीसीसीआई के सचिव पुनीत चौधरी ने प्रतिनिधियों, वक्ताओं और वीआईपी को स्वागत भाषण किया। सत्यजीत सिंह, अध्यक्ष, बिहार चैप्टर,पीएचडीसीसीआइ ने सभा को विषय प्रवेश किया।

डॉ राणा सिंह, निदेशक- चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) ने बहुत ही प्रेरक भाषण दिया और प्रतिनिधियों को पूरी तरह से डेटा पर भरोसा करने के बजाय अपना खुद का शोध करने के लिए कहा। शैलेंद्र जायसवाल पूर्व प्रधान कार्यकारी निदेशक,डीआरडीओ एवं मेंटर, सृजन संचार ने स्थानीय प्रसिद्ध उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करने और इन उत्पादों पर यूनिकॉर्न बनाने का प्रयास करने के लिए उपस्थित लोगों से कहा। जैसे कि चिनिया केला, मखाना आदि। उन्होंने बिहार में उद्योग के लिए 1 क्लस्टर, 1 उत्पाद पर काम करने की इच्छा व्यक्त की। प्रदीप कुमार, निदेशक एमएसएमई, विहार ने कई सरकार की उन नीतियों पर प्रकाश डाला। जिनसे बिहार के उद्यमियों को मदद और प्रोत्साहन मिल रही है। प्रदीप झा, शाखा प्रभारी, सिडबी ने नवोदित उद्यमियों और उद्योगों के लिए सिडबी की विभिन्न योजनाओं और नीतियों पर प्रकाश डाला। सुति मिश्रा, इन्वेस्ट इंडिया, ओडीओपी टीम ने बिहार के वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट पर प्रस्तुति दी और एफएसएसआई प्रमाणी करण के महत्व के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने उद्योग के लिए उनकी अन्य गतिविधियों जैसे क्रेता-विक्रेता बैठक आदि के बारे में भी जानकारी दी।

सूरज तनेजा,डायरेक्टर, टेक्सडेल ने भारत और बिहार में कपड़ा क्षेत्र के बारे में बात की और दिसंबर 2022 में अंतर्राष्ट्रीय वस्त्र कार्यक्रम टेक्सडेल इंडिया आयोजित करने के लिए बिहार को क्यों चुना गया है, इसके बारे में बताया। नीतीश कुमार, लेटस एंडोरसे एनजीओ, उभरते उद्यमियों के लिए उनके कार्यक्रमों और 100 जिलों के 5 राज्यों में 100 स्टार्टअप बनाने के लिए उनके कार्यो के बारे में सभा को संबोधित किया। प्रणब सिंह - रेजिडेंट डायरेक्टर, पीएचडीसीसीआई, बिहार चैप्टर ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

Rashtriya Sahara ! Page.No-05
Dated:12-07-2022

सीआईएमपी में वाणिज्य उत्सव बिहार आयोजित

पटना, मुख्य संवाददाता। पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री बिहार कार्यालय और चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना के संयुक्त सहयोग से सोमवार को सीआईएमपी सभागार में वाणिज्य उत्सव बिहार 2022 का आयोजन किया गया। इस दौरान सीआईएमपी ने पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के साथ समझौता पत्र हस्ताक्षर किया। समझौता ज्ञापन में साक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम, इंडस्ट्री और शैक्षणिक संस्थानों की जरूरतों के अनुसार सह सहयोग, कार्यशाला आयोजन, इंक्यूबेशन सेंटर को पीएचडीसीसीआई की मेंटरशिप व छात्रों को वर्तमानयुगीन औद्योगिक जरूरतों के अनुरूप तैयार करना है।

मौके पर पीएचडीसीसीआई के सचिव पुनीत चौधरी ने व्यवसाय कैसे शुरू करें, प्रोत्साहन, निर्यात व्यवसाय , निर्यात बाजार पर कब्जा करने के लिए उपलब्ध प्रोत्साहन के

- पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और सीआईएमपी के बीच हुआ करार

बारे में जानकारी दी। पीएचडीसीसीआई के बिहार चैप्टर के अध्यक्ष सत्यजीत सिंह ने विषय प्रवेश किया। सीआईएमपी के निदेशक प्रो. (डॉ.) राणा सिंह ने प्रतिनिधियों को पूरी तरह से डेटा पर भरोसा करने के बजाय अपना खुद का शोध करने के लिए कहा।

मेंटर शैलेंद्र जायसवाल एवं सृजन संचार ने स्थानीय प्रसिद्ध उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करने और इन उत्पादों पर यूनिकॉर्न बनाने का प्रयास करने को कहा। निदेशक प्रदीप कुमार ने उद्यमियों की मदद और प्रोत्साहन से जुड़ी बिहार सरकार की नीतियों के बारे में जानकारी दी। प्रदीप झा सूरज तनेजा, लेट्स एंडोरसे एनजीओ के नीतीश कुमार ने भी संबोधित किया। प्रणब सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

Hindustan (Hindi)
Page.No-07
Dated:12-07-2022

पूरी तरह से डेटा पर भरोसा न करें, खुद से शोध करें

सीआईएमपी में कार्यक्रम में मौजूद अतिथिगण।

पटना | पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, बिहार कार्यालय ने चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना के साथ सोमवार को वाणिज्य उत्सव- बिहार 2022 का आयोजन किया। मौके पर सीआईएमपी ने पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के साथ एमओयू साइन किया। पीएचडीसीसीआई के सचिव पुनीत चौधरी, अध्यक्ष सत्यजीत सिंह ने अपने-अपने विचार रखे। निदेशक प्रो. राणा सिंह ने कहा कि प्रतिनिधियों को पूरी तरह से डेटा पर भरोसा करने के बजाय अपना खुद का शोध करना चाहिए। मेंटर शैलेंद्र जायसवाल ने स्थानीय प्रसिद्ध उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करने और इन उत्पादों पर यूनिकॉर्न बनाने का प्रयास करने के लिए कहा। जैसे कि चिनिया केला, मखाना आदि। मौके पर प्रदीप झा, सुकृति मिश्रा, सूरज तनेजा, नीतीश कुमार, रेजिडेंट डायरेक्टर, प्रणब सिंह ने अपनी-अपनी बातें साझा की।

Dainik Bhaskar
Page.No-04
Dated:12-07-2022

पीएचडीसीसीआइ का सीआइएमपी से करार

पीएचडीसीसीआइ व सीआइएमपी के बीच एमओयू हुआ साइन.

सुविधा

सीआइएमपी में वाणिज्य उत्सव- बिहार 2022 का आयोजन

संवाददाता ▷ पटना

पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री बिहार कार्यालय (पीएचडीसीसीआइ) ने चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (सीआइएमपी) पटना के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को संस्थान सभागार में वाणिज्य उत्सव-बिहार 2022 का आयोजन किया. चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना ने पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के साथ समझौता पत्र साइन किया गया. वाणिज्य उत्सव-बिहार कार्यक्रम नवोदित उद्यमियों और उभरते निर्यातकों पर केंद्रित था और इसका विषय वस्तु 'व्यवसाय कैसे शुरू करें, व्यवसाय शुरू करने के लिए आवश्यक दस्तावेज, नये व्यवसाय के लिए उपलब्ध वित्त और प्रोत्साहन, निर्यात व्यवसाय कैसे शुरू करें, निर्यात और वित्त के लिए उपलब्ध बाजार और निर्यात बाजार पर कब्जा करने के लिए उपलब्ध प्रोत्साहन' था.

पीएचडीसीसीआइ के सचिव पुनीत चौधरी ने प्रतिनिधियों, वक्ताओं और वीआइपी को स्वागत भाषण दिया. सत्यजीत सिंह, अध्यक्ष, बिहार चैप्टर, पीएचडीसीसीआइ ने सभा को विषय प्रवेश किया. प्रो (डॉ) राणा सिंह, निदेशक- चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) ने प्रतिनिधियों को पूरी तरह से डेटा पर भरोसा करने के बजाये अपना खुद का शोध करने के लिए कहा.

एक कलस्टर, एक उत्पाद पर काम की इच्छा जतायी

शैलेंद्र जायसवाल पूर्व प्रधान कार्यकारी निदेशक, डीआरडीओ एवं मेंटर, सृजन संचार ने स्थानीय प्रसिद्ध उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करने और इन उत्पादों पर यूनिकॉर्न बनाने का प्रयास करने के लिए उपस्थित लोगों से कहा. जैसे कि चिनिया केला, मखाना आदि. उन्होंने बिहार में उद्योग के लिए '1 क्लस्टर' '1 उत्पाद' पर काम करने की इच्छा भी व्यक्त की. प्रदीप कुमार, निदेशक एमएसएमइ, बिहार, ने कई सरकार की उन नीतियों पर प्रकाश डाला जिनसे बिहार के उद्यमियों को मदद और प्रोत्साहन मिल रही है. प्रदीप झा, शाखा प्रभारी, सिडबी ने नवोदित उद्यमियों और उद्योगों के लिए सिडबी की विभिन्न योजनाओं और नीतियों पर प्रकाश डाला. सुकृति मिश्रा, इंवेस्ट इंडिया, ओडीओपी टीम ने बिहार के 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' पर प्रस्तुति दी और एफएसएसआइ प्रमाणीकरण के महत्व के बारे में बताया. साथ ही उन्होंने उद्योग के लिए उनकी अन्य गतिविधियों जैसे क्रेता-विक्रेता बैठक आदि के बारे में भी जानकारी दी.

Prabhat Khabar
Page.No-06
Dated:12-07-2022